राम सेतु की जियो हेरिटेज वैल्यू

प्रासंगिकता:

- **GS1: भारतीय संस्कृति - प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक कला, साहित्य और वास्तुकला के प्रमुख पहलू।**
- **GS3: पर्यावरण संरक्षण; पर्यावरण प्रभाव आकलन; अवसंरचनात्मक विकास।**

की-वर्ड्स: जियो हेरिटेज वैल्यू, राम सेतु, नेशनल हेरिटेज स्टेटस, सेतुसमुद्रम शिप चैनल प्रोजेक्ट (एसएससीपी), मन्नार की खाड़ी, पाल्क स्ट्रेट, एडम ब्रिज, नेविगेशन टाइम, व्यवहार्यता, चक्रवाती तूफान, पारिस्थितिक आपदा, पर्यावरण लागत, धार्मिक महत्व, अंतरिक्ष-आधारित जांच , कम ऊंचाई वाले द्वीप, ग्रेट बैरियर रीफ, पम्बन द्वीप, मन्नार द्वीप, वैश्विक हिमनद काल, समुद्री बायोस्फीयर रिजर्व, वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य।

संदर्भ:

हाल ही में, **सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को 'राम सेतु' के लिए राष्ट्रीय विरासत का दर्जा देने की मांग** करने **वाली पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका** पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया।

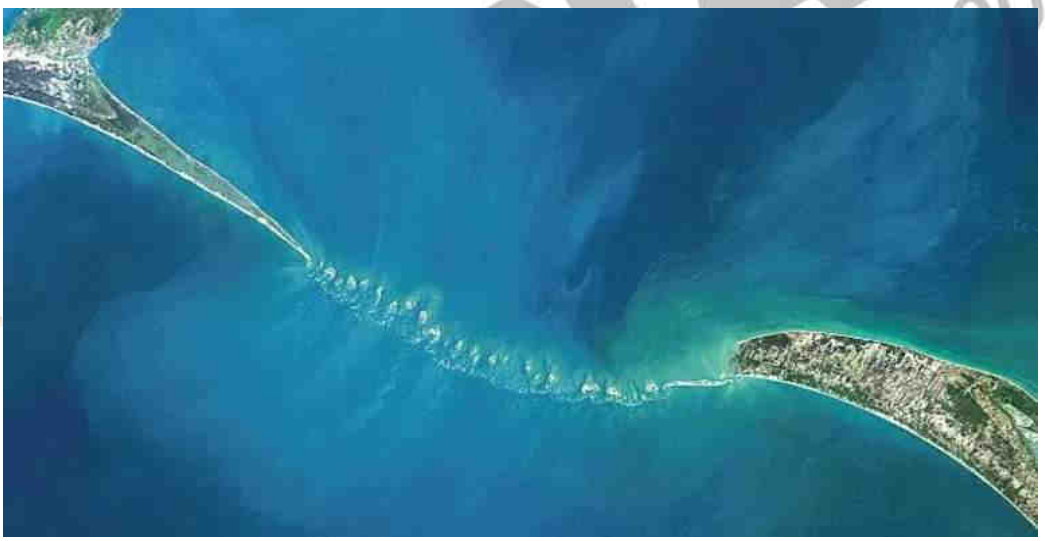

मुख्य विचार:

- 2020 में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने राम सेतु के बजाय धनुसकोडी के माध्यम से एक मार्ग की व्यवहार्यता पर पर्यावरणीय प्रभाव विश्लेषण किए जाने तक परियोजना को विलंबित करने का निर्णय लिया।

राम सेतु क्या है ?

- आदम का पुल जिसे राम का पुल या राम सेतु के नाम से भी जाना जाता है, भारत के **तमिलनाडु के दक्षिण-पूर्वी तट पर पम्बन द्वीप**, जिसे **रामेश्वरम द्वीप** के रूप में भी जाना जाता है, और **श्रीलंका के उत्तर-पश्चिमी तट पर मन्नार द्वीप के बीच चूना पत्थर की एक श्रृंखला** है।

- **पुल 30 किमी लंबा** है और **मन्नार की खाड़ी (दक्षिण पश्चिम) को पाक जलडमरूमध्य (पूर्वोत्तर) से अलग करता है**।
    - रेत के कुछ तट सूखे हैं और क्षेत्र में समुद्र बहुत उथला है, कुछ स्थानों पर केवल 1 मीटर से 10 मीटर गहरा है, जो नेविगेशन को बाधित करता है।
- हिंदू पौराणिक कथाओं में, यह माना जाता है कि इस संरचना का निर्माण भगवान राम और उनकी वानरों और बंदरों की सेना ने रावण की लंका तक पहुंचने के लिए किया था।

सेतुसमुद्रम नौवहन नहर परियोजना

- **के बारे में**
    - सेतुसमुद्रम नौवहन नहर परियोजना में 83 किलोमीटर लंबी गहरे पानी की नहर बनाना शामिल है जो मन्नार को पाक जलडमरूमध्य से व्यापक ड्रेजिंग और चूना पत्थर के शोलों को हटाने से जोड़ेगा जो राम सेतु का निर्माण करते हैं।
    - इसे **2005 में भारत सरकार की स्वीकृति प्राप्त** हुई।

- **लाभ**
    - **परियोजना के सफल समापन से लगभग 350 समुद्री मील की यात्रा में कमी आएगी और 10 से 30 घंटे के नौकायन समय की बचत होगी।**
        - इससे भारत के पूर्वी और पश्चिमी तटों के बीच नौवहन समय में काफी कमी आने की उम्मीद है।
    - परियोजना से **विदेशी मुद्रा की काफी बचत और आय होगी।**
    - इससे **शिपिंग लागत में कमी आएगी।**
    - **श्रीलंका में चीन का प्रभाव बढ़ने के साथ, भारत को वैकल्पिक शिपिंग मार्गों का पता लगाने की आवश्यकता** है।

- **चिंताएं**
    - **राम सेतु के किनारे प्रस्तावित मार्ग का धार्मिक, पर्यावरण और पारिस्थितिक आधार पर कुछ समूहों द्वारा विरोध** किया जाता है।
        - **धार्मिक समूह इसका विरोध करते रहे हैं क्योंकि उनका मानना है कि रामायण में वर्णित संरचना धार्मिक महत्व की** है.

- प्रस्तावित चैनल की **स्थिरता और इसके पर्यावरणीय प्रभाव पर चिंता** व्यक्त की गई है।
- यह **परियोजना पारिस्थितिक संतुलन को बिगाड़ देगी और कोरल को नष्ट कर देगी और समुद्री जीवन को खत्म कर देगी**.
  - यह क्षेत्र तमिलनाडु के लिए एक महत्वपूर्ण मछली पकड़ने का क्षेत्र है और मन्नार समुद्री राष्ट्रीय उद्यान की खाड़ी प्रस्तावित परियोजना के आसपास के क्षेत्र में है।
- यह **क्षेत्र चक्रवाती तूफानों के लिए भी संवेदनशील** है.
- संकरे चैनल से गुजरने वाले जहाजों से निकलने वाला उत्सर्जन हवा और पानी को प्रदूषित करेगा.

राम सेतु का भू विरासत मूल्य:

- महत्वपूर्ण भूगर्भीय विशेषताओं की प्राकृतिक विविधता को संरक्षित करने के लिए प्रकृति संरक्षण में जियोहेरिटेज प्रतिमान का उपयोग किया जाता है।
- यह इस तथ्य को स्वीकार करता है कि भू-विविधता, जिसमें विभिन्न भू-आकृतियाँ और गतिशील प्राकृतिक प्रक्रियाओं के प्रतिनिधि शामिल हैं, मानव गतिविधियों से खतरे में है और सुरक्षा की आवश्यकता है।
- किसी देश की प्राकृतिक विरासत में उसकी भूगर्भीय विरासत शामिल होती है।
- भूविज्ञान, मिट्टी और भू-आकृतियों जैसे अजैविक कारकों के मूल्य को भी जैव विविधता के आवासों के समर्थन में उनकी भूमिकाओं के लिए मान्यता दी गई है।

आगे की राह:

- यह **मछलियों, झींगा मछलियों, झींगों और केकड़ों के लिए एक प्रजनन स्थल** है और **ज्यादातर मछली की किस्में व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण** हैं।
  - इसलिए संवेदनशील दृष्टिकोण के साथ पर्यावरणीय चिंताओं को तदनुसार संबोधित किया जाना चाहिए।
- यह **क्षेत्र पहले से ही थर्मल संयंत्रों से निकलने वाले पानी, नमक के ढेरों से नमकीन पानी के बहाव और कोरल के अवैध खनन से खतरे में** है, इसलिए **राम सेतु के उचित रखरखाव और संरक्षण की आवश्यकता** है।

निष्कर्ष:

- राम सेतु एक घटनापूर्ण अतीत की अद्वितीय भूवैज्ञानिक छाप रखता है। इसलिए, इसे न केवल एक राष्ट्रीय विरासत स्मारक के रूप में संरक्षित करने की आवश्यकता है, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से परिभाषित एक भू-विरासत संरचना के रूप में भी।

स्रोत- TheHindu

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न

Q. एडम ब्रिज (राम सेतु) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. **यह श्रीलंका के पंबन द्वीप और भारत के तमिलनाडु के मन्नार द्वीप के बीच चूना पत्थर की एक श्रृंखला है।**
2. **पुल 30 किमी लंबा है और मन्नार की खाड़ी को पाक जलडमरूमध्य से अलग करता है।**

3. **हिंदुओं का मानना है कि इस ढांचे का निर्माण भगवान राम और उनकी वानरों और वानरों की सेना ने रावण की लंका तक पहुंचने के लिए किया था।**

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

a) केवल 1 और 2
b) 2 और 3 केवल
c) 3 केवल
d) 1, 2 और 3

उत्तर- b

व्याख्या:

1. एडम्स ब्रिज भारत के तमिलनाडु के दक्षिण-पूर्वी तट पर पंबन द्वीप, जिसे रामेश्वरम द्वीप के नाम से भी जाना जाता है, और श्रीलंका के उत्तर-पश्चिमी तट पर मन्नार द्वीप के बीच चूना पत्थर की चट्टानों की एक श्रृंखला है। इस प्रकार **कथन 1 सही नहीं** है।
2. पुल 30 किमी लंबा है और मन्नार की खाड़ी (दक्षिण-पश्चिम) को पाक जलडमरूमध्य (पूर्वोत्तर) से अलग करता है। अतः **कथन 2 सही** है।
3. हिंदू पौराणिक कथाओं में, यह माना जाता है कि इस संरचना का निर्माण भगवान राम और उनकी वानरों और बंदरों की सेना ने रावण की लंका तक पहुंचने के लिए किया था। इस प्रकार **कथन 3 सही** है।

मुख्य परीक्षा प्रश्न:

Q. राम सेतु के लिए भू विरासत परिप्रेक्ष्य क्या है और राम सेतु के लिए राष्ट्रीय विरासत स्थल का दर्जा कैसे फायदेमंद हो सकता है? समस्याओं के समाधान के उपाय भी सुझाइए।

most trusted since 2003